भारत के सतत विकास की दिशा में सीएसआईआर- नीरी हरित कौशल विकास कार्यक्रमों के माध्यम से भारतीय युवाओं के पर्यावरणीय कौशल को बढ़ा रहा है

महानगर

नागपुर, सोमवार, 16 फरवरी 2026 | 15

विधानसभा अध्यक्ष राहुल नार्वेकर ने कहा- नीतियों से नहीं, प्रभावी अमल और जनसहभागिता से होगा पर्यावरण संरक्षण

चौथा राष्ट्रीय पर्यावरण युवा संसद का समापन

कार्यक्रम में देश के विभिन्न भागों से युवा पहुंचे। उनके जज्बे को देख कर विधानसभा अध्यक्ष राहुल नार्वेकर ने कहा कि मॉक पार्लियामेंट का अद्भुत और सराहनीय प्रयास है।

जज्बे से जीत...

जल, जंगल, जमीन, जानवर जन की रक्षा बेहद जरूरी है

भास्कर संवाददाता | नागपुर

पर्यावरण संरक्षण केवल नीतियां बनाने या उन पर चर्चा करने तक सीमित नहीं रह सकता। जब तक इन नीतियों का प्रभावी क्रियान्वयन नहीं होगा और लोग सक्रिय रूप से इसमें भागीदारी नहीं निभाएंगे, तब तक पर्यावरण सुधार का लक्ष्य अधूरा रहेगा। यह विचार विधानसभा अध्यक्ष राहुल नार्वेकर ने व्यक्त किए। उन्होंने कहा कि, केवल भारत ही नहीं, बल्कि विश्व स्तर पर भी नीतियों का मसले से फलन और सामूहिक प्रयास ही पर्यावरण संकट का स्थायी समाधान दे सकते हैं।

मॉक पार्लियामेंट सराहनीय

राहुल नार्वेकर ने कहा, समाज के सामने लोकतंत्र की समीक्षा और प्रभावी व्यवस्था के रूप में जिस संसद को हम मानते हैं, वह संसद है। मॉक पार्लियामेंट का आयोजन इसे भाषण का एक अद्भुत और सराहनीय प्रयास है। आयोजन स्तर में मैं विधानसभा के सभी सदस्यों को इस कार्यक्रम में आमंत्रित करने का प्रयास करूंगा, ताकि वे स्वयं आकर इस मंच की कार्यवाही देख सकें। जिस अनुशासन के साथ यह सत्र संचालित हुआ और जिस प्रकार विधानसभा अध्यक्ष के निर्देशों का पालन किया गया, वह अत्यंत प्रोत्साहनीय है।

जिम्मेदार नागरिक बनेंगे छात्र

मुझे पूर्ण विश्वास है कि छात्र इस अनुशासन को अपने जीवन में बनाए रखेंगे और संसदीय लोकतंत्र को सशक्त बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगे। पद्मश्री जावंदीनंद बोधे ने सेवा और समर्पण के माध्यम से प्रकृति संरक्षण को आगे बढ़ाने की प्रेरणा दी।

सदन में विशेष चर्चा का आग्रह

राहुल नार्वेकर ने कहा कि महाराष्ट्र विधानसभा में शीतकालीन अधिवेशन के दौरान लगभग 25 से 30 प्रतिशत समय सूखा, बेमौसम बारिश, भारी बारिश और पर्यावरण से जुड़े अन्य मुद्दों पर चर्चा में व्यतीत होता है, क्योंकि इनसे जनता को भारी नुकसान और कठिनाइयों का सामना करना पड़ता है। इन सभी समस्याओं का मूल कारण पर्यावरण परिवर्तन है। मैं सदन में पर्यावरण से संबंधित एक विशेष चर्चा आयोजित करने का आग्रह अवश्य करूंगा।

देशभर के 200 युवाओं ने विचार एवं प्रस्ताव रखे

इस पार्लियामेंट युवा संसद में देशभर के विभिन्न विश्वविद्यालयों से आए 200 युवा प्रतिनिधियों ने पर्यावरण संरक्षण, स्वच्छ विकास और उत्तरदायित्व से जुड़े महत्वपूर्ण विषयों पर अपने विचार एवं प्रस्ताव प्रस्तुत किए। कार्यक्रम के दौरान "जल, जंगल, जमीन, जानवर और जन" के सामंजस्य संरक्षण का संदेश प्रभावी रूप से दिया गया। कार्यक्रम के अंत में जानकारी के हाथों से प्रतिभागियों को प्रमाणपत्र प्रदान किए गए तथा उत्कृष्ट प्रस्तुतियों को सम्मानित किया गया।

प्रमुख उपस्थिति

विधानसभा विधायकों और पर्यावरण संरक्षण गतिविधि के संयुक्त तत्वावधान में राष्ट्रीय पर्यावरण युवा संसद (एनईएडी) 2026 का चौथा संस्करण नागपुर के विजन आज में आयोजित किया गया था। इस दो दिवसीय कार्यक्रम के समापन में मुख्य अतिथि के रूप में राहुल नार्वेकर बोल रहे थे। इस अवसर पर जानी जानेवाली बोधे, अमरिश राष्ट्रीय उपमुख्य अनुसूचित मंत्री, विधायक विधायकों राष्ट्रीय प्रमुख राहुल नौड़, विधायक विधायकों अधिवेशन भारतीय लोकतंत्र पालन राव तथा नागपुर विश्वविद्यालय के विधायकों विधायक विभाग के प्रभारी निदेशक डॉ. विजय वाडाल तथा पर प्रमुखता से उपस्थित थे।

इधर, नीरी का भी जोर : युवा हाथों में होगी पर्यावरण प्रबंधन की डोर

• आकलन व क्षमता विकास कार्यक्रम

भास्कर संवाददाता | नागपुर. वर्तमान में औद्योगिक एवं आधारभूत संरचना परियोजनाओं का विस्तार व नये निर्माण हो रहे हैं। ऐसे में पर्यावरण प्रभाव का आकलन करना महत्वपूर्ण हो चुका है। सीएसआईआर-नीरी ने हाल ही में युवाओं के लिए प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया। तीन दिवसीय कार्यक्रम में बड़ी संख्या में युवाओं ने हिस्सा लिया। सीएसआईआर-नीरी के प्रबंधक डॉ. एस वेंकट मोहन ने कहा कि युवाओं के भीतर क्षमता विकसित की जा रही है। भविष्य में युवाओं के हाथों में पर्यावरण प्रबंधन की डोर होगी। डॉ. एस. वेंकट मोहन ने प्रतिभागियों को ईआईए के नवीनतम मुद्दों, पर्यावरण नियमों की अधिसूचना, पर्यावरण प्रबंधन योजना (ईएमपी) की उपयोगिता तथा विकास परियोजनाओं में पर्यावरणीय संतुलन बनाए रखने की आवश्यकता पर मार्गदर्शन दिया।

अलग-अलग राज्यों के युवाओं का समावेश

प्रशिक्षण कार्यक्रम में विभिन्न राज्यों के प्रतिभागियों ने भाग लिया। कार्यक्रम में वैज्ञानिक वरिष्ठ वैज्ञानिक डॉ. जी.डी. बाजारे, डॉ. सतीश डोंगरवार, डॉ. संजीव कुमार सिंह, इंजी. संजीव लेंगडे, डॉ. एल.पी. पाटिल, डॉ. आशा लाकड़ी व इंजीनियर [illegible] एनवायरमेंटल लॉजिस्टिक एक्सपर्ट के निदेशक डॉ. समीर देशपांडे का विशेष विषयों पर व्याख्यान हुआ।

पर्यावरण प्रबंधन के क्षेत्र में युवाओं की क्षमता वृद्धि

नागपुर स्थित सीएसआईआर-नीरी इंटीग्रेटेड स्किल इनीशिएटिव के अंतर्गत पर्यावरण प्रभाव आकलन (ईआईए) विषय पर तीन दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य पर्यावरण प्रबंधन और निरंतर विकास के क्षेत्र में युवाओं की क्षमता वृद्धि करना था। इस अवसर पर स्किल डेवलपमेंट सेंटर के प्रभारी एवं कोर्स समन्वयक वैज्ञानिक डॉ. हर्षवर्धन सिंह ने प्रशिक्षण की विषयवस्तु और संरचना की तीन स्किल पालों की जानकारी दी। हैदराबाद क्षेत्रीय केंद्र से आए वैज्ञानिक डॉ. टी.वी.वी.पी.एस. रामकृष्ण ने ईआईए अध्ययनों के व्यावहारिक पहलुओं और जमीनी अनुभवों को प्रतिभागियों के साथ साझा किया।

Mon, 16 February 2026
https://epaper.bhaskarhindi.com/c/79176211